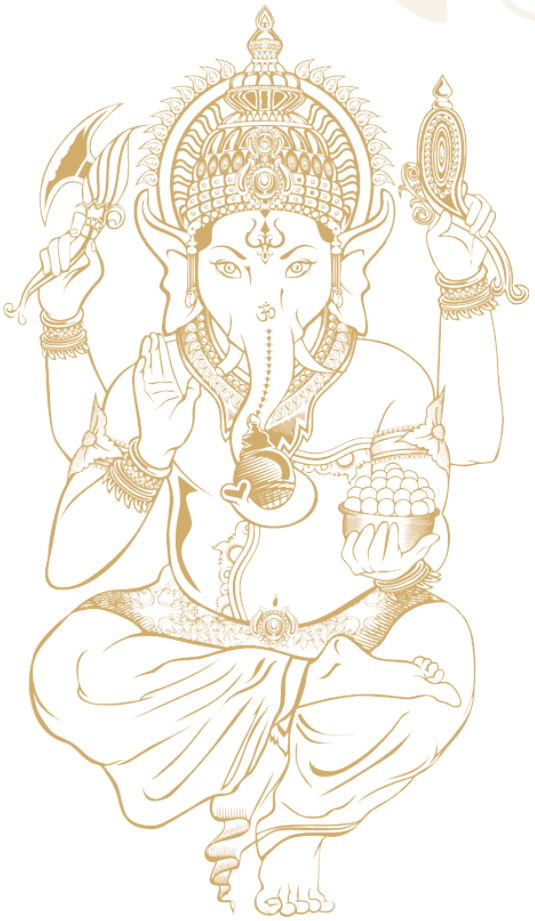

Larka Shristi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120122402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/02/1996	जन्म तिथि	17/04/1997
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 17:48:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 28:13:46	जन्म समय(घटी)	32:51:53 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:29	सूर्योदय	05:31:14
17:50:37	सूर्यास्त	18:21:21
23:48:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:08

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 8वर्ष 6मा 26दि		06:33:02	सिंह	लग्न	तुला	08:38:12	केतु 4वर्ष 5मा 25दि	
शनि		06:19:59	कुंभ	सूर्य	मेष	03:44:39	सूर्य	
15/09/2020		13:39:03	कुंभ	चंद्र	सिंह	04:47:11	12/10/2021	
16/09/2039		09:22:26	कुंभ	मंगल व	सिंह	23:35:22	13/10/2027	
शनि	19/09/2023	11:30:20	मक	बुध व	मेष	15:30:47	सूर्य	30/01/2022
बुध	29/05/2026	16:05:28	धनु	गुरु	मक	23:54:02	चन्द्र	31/07/2022
केतु	08/07/2027	18:25:03	मीन	शुक्र	मेष	07:35:47	मंगल	06/12/2022
शुक्र	06/09/2030	00:20:46	मीन	शनि	मीन	18:37:27	राहु	31/10/2023
सूर्य	19/08/2031	24:16:07	कन्या व	राहु	कन्या	04:40:59	गुरु	18/08/2024
चन्द्र	20/03/2033	24:16:07	मीन व	केतु	मीन	04:40:59	शनि	31/07/2025
मंगल	28/04/2034	08:23:35	मक	हर्ष	मक	14:34:59	बुध	07/06/2026
राहु	04/03/2037	02:41:23	मक	नेप	मक	06:04:54	केतु	12/10/2026
गुरु	16/09/2039	09:14:29	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:21:22	शुक्र	13/10/2027

लग्न-चलित

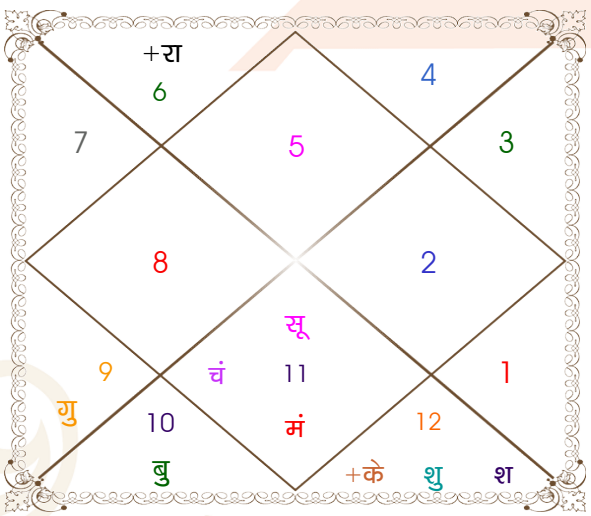

लग्न-चलित

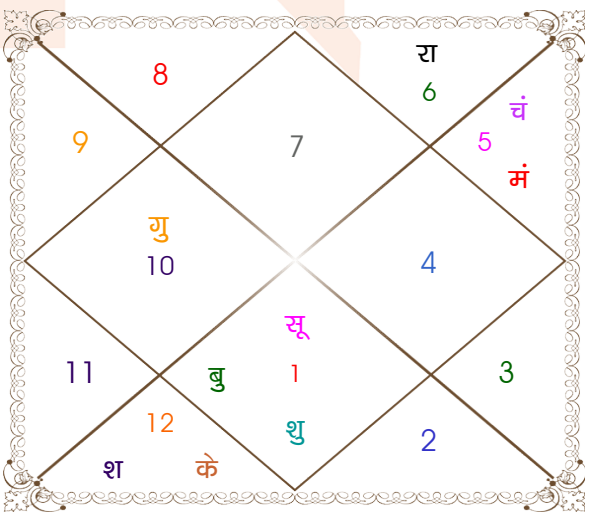

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

स्तां का वर्ग मेष है तथा ौतपेजप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार स्तां और ौतपेजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

स्तां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र स्तां कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौतपेजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ौतपेजप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

स्तां तथा ौतपेजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।